रिपोर्ट

Department of History

प्रेस विज्ञप्ति 3.3.2

रीविज़िटिंग हिस्ट्री: आइडियाज़ एंड प्रैक्टिस पर राष्ट्रीय वेविनार का आयोजन

आज दिनांक 25 जनवरी 2022 को हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थापना सप्ताह 2022 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा रीविज़िटिंग हिस्ट्री: आइडियाज़ एंड प्रैक्टिस विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार की शुरुआत उत्तर-पूर्व भारत की कला एवं संस्कृति एवं उत्तर-पश्चिमी भारत से सम्बंधित अभिलेखीय सामग्रियों की चित्र प्रदर्शनी के साथ की गयी। वेविनार की अध्यक्षता करते हुए प्रो. एस.पी. बंसल, कुलपति, हि.प्र.के.वि., ने इस विषय की समसामयिकता और महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि इतिहास विषय को समग्र रुप से समझते हुए भारतीय इतिहास के कई आयामों पर पुनर्विचार तथा पुनर्लेखन की आवश्यकता है। वेबिनार के बीज वक्ता के रुप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से सेवानिवृत्त मध्यकालीन भारत के विद्वान इतिहासकार प्रो. दिलबाग सिंह ने कहा कि भारतीय इतिहास को लिखने में पश्चिमी मॉडल को अपनाना इतिहास के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि भारतीय स्रोतों से भारतीय इतिहास का निर्माण किया जाना चाहिए। साथ ही, भारतीय इतिहास में पुनर्लेखन की असीम संभावनाओं की तरफ़ ध्यान आकृष्ट करते हुए उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि इतिहास के पुनर्लेखन के स्पष्ट विचार एवं उद्देश्य होने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ारसी इतिहासकारों के द्वारा लिखित मध्यकालीन शासक वर्ग के इतिहास में समकालीन शासन का विरोध करने वालों, जैसे राजपूतों, सिखों, मराठों आदि, को इतिहास में जगह नहीं दी गयी। इस ऐतिहासिक विसंगति के ऊपर काम होना आवश्यक है। वेबिनार के विशिष्ट वक्ता हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के इतिहास विभाग के प्रो. अरुण कुमार सिंह ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग को हिमाचल के नदियों के आस-पास बसी संस्कृतियों को ध्यान में रखते हुए शोध करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, विश्वविद्यालय में प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग तथा दर्शनशास्त्र के नए केंद्र स्थापित करने की भी बात की। वेबिनार का आरंभ प्रो. नारायण सिंह राव, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग के द्वारा स्वागत भाषण तथा विभाग की गतिविधियों के बारे में चर्चा करने से किया गया। इतिहास विभाग के सह आचार्य डॉ. कँवर चंद्रदीप सिंह ने बीज वक्ता, विशिष्ट वक्ता एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस वेबिनार के संयोजक इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजीव कुमार थे।

प्रो. नारायण सिंह राव
विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग

विभागाध्यक्ष,
इतिहास विभाग
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
सप्त सिंधु परिसर, देहरा
जिला कांगड़ा (हि.प्र.) 177101

आज़ादी का अमृत महोत्सव

On the occasion of Foundation Week (20th – 26th Jan 2022)

Department of History
Central University of Himachal Pradesh

invites you for a

National Webinar
on

Revisiting History: Ideas and Practice

Chief Guest

Prof. S.P. Bansal
Vice-Chancellor
Central University of Himachal Pradesh
Dharmshala

Keynote Speaker

Prof. Dilbagh Singh
Eminent Professor (Retd.)
Centre for Historical Studies
JNU, New Delhi

Resource Person

Prof. Arun Kumar Singh
Head, Deptt. of History
Himachal Pradesh University
Shimla

Date: 25th January 2022

Time: 1:00 PM onwards

Online Platform: Google Meet

Link: https://meet.google.com/gpa-zqub-nhp

Director
Prof. Narayan Singh Rao
Head, Department of History & Dean, School of Social Sciences

Associate Director
Dr. Kanwar Chanderdeep Singh, Associate Professor, Department of History, CUHP

Convener
Dr. Rajeev Kumar, Assistant Professor, Department of History, CUHP

Co-convener
Thuktan Negi, Assistant Professor, Department of History, CUHP

विभागाध्यक्ष
इतिहास विभाग
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
सप्त सिंधु परिसर देहरा
जिला कांगड़ा (हि.प्र.) 177101

Photography exhibition of Prof. Narayan Singh Rao

विभागाध्यक्ष,
इतिहास विभाग
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
सप्त सिंधु परिसर देहरा
जिला कॉगड़ा (हि.प्र.) 177101

Photography Exhibition of Prof Narayan Singh Rao Collected from his Sojourn in North East India

विभागाध्यक्ष,
इतिहास विभाग
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
सप्त सिंधु परिसर देहरा
जिला कांगड़ा (हि.प्र.) 177101